मुनिराज जी तपधारी पहाडों में भक्ति थे किनी लिरिक्स

मुनिराज जी तपधारी,
पहाडों में भक्ति थे किनी,
शमशेर गिरिजी तपधारी,
पहाडों मे भक्ति थे किनी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे अमरकोट मे जन्म आपरो,
अमरकोट मे जन्म आपरो,
सखीया मंगल गावे भारी,
राजा रामसिंह पिता आपरा,
माता रूपादे माँ थोरी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे अमरकोट सु आप पधारीया,
अमरकोट सु आप पधारीया,
आया आबूगढ रे माई,
अमरकोट सु आप पधारीया,
तपस्या किनी हद भारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे सिद्ध तपस्वी संत कहाया,
सिद्ध तपस्वी संत कहाया,
मुनिंराज जी तपधारी,
सिद्ध तपस्वी संत कहाया,
कठोर तपस्या किनी भारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे वास्थानजी मे लिनी समाधि।
वास्थानजी मे लिनी समाधि,
पौष मास सातम् भारी,
वास्थानजी मे मेलो भरीजे,
दर्शन आवे नर नारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

हर साल थोरो मेलो भरीजे,
हर साल थोरो मेलो भरीजे,
छठ सातम् आठम् भारी,
हर साल थोरो मेलो भरीजे,
मुनिंराज जी भरी हद भारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे बग गाँव में मेलो भरीजे,
केर गाँव में मेलो भरीजे,
जिला सिरोही है हद भारी,
वास्थानजी मे मेलो भरीजे,
मुनिराज जी रो हद भारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे भक्त हजारो आवे द्वार पर,
भक्त हजारो आवे द्वार पर,
ले आशा मन में थोरी,
भक्त हजारो आवे द्वार पर,
ले मन में आशा भारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे लाखो संत आवे आपरे,
लाखो संत आवे आपरे,
धुणी रमावे हद भारी,
लाखो संत आवे आपरे,
धुणी रमावे हद भारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे मुनिराजजी रा परचा पड रया,
मुनिराज जी रा परचा पड रया,
ज्योत जागे है हद भारी,
मुनिराज जी रा परचा पड रया,
ज्योत जागे हैं हद भारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे “मनीष सीरवी” रचना बनायी,
मनीष सीरवी रचना बनायी,
आयो शरने मै थोरी,
जुग जुग शरनो मे राखो बापजी,
आप बडा हो उपकारी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे बग गाँव सु बालक आपरे,
बग गाँव सु बालक आपरे,
‘चौधरी प्रकाश’ गावे भारी,
बग गाँव सु बालक आपरे,
चौधरी प्रकाश गावे भारी,
मै तो शरणे आपरी आयो,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी ओफ्लाईन मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुनिराज जी तपधारी,
पहाडों में भक्ति थे किनी,
शमशेर गिरिजी तपधारी,
पहाडों मे भक्ति थे किनी,
मुनिंराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

गायक – प्रकाश चौधरी बग सिरोही।
लेखक / प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com